भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 191

सोमवार, 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाकुंभ 2025 के लिए पर्यटन अवसंरचना

191. श्री अरुण गोविल:
श्री मनीष जायसवाल:
श्री भोजराज नाग:
सुश्री कंगना रनौत:
श्री नव चरण माझी:
श्री परषोत्तमभाई रुपाला:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:
डॉ. राजेश मिश्रा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय आगन्तुकों हेतु सुगम पहुंच और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महाकुंभ 2025 के लिए प्रयागराज में पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं में वृद्धि करने के संबंध में कोई उपाय कार्यान्वित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) महाकुंभ 2025 में लाखों आगंतुकों के आगमन की संभावना को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और अन्य हितधारकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या पहल की गई है; और

(ग) क्या सीधी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से महाकुंभ में पवित्र डुबकी लगाने जा रहे लाखों श्रद्धालुओं को देखते हुए ब्योहारी से सिंगरौली होकर प्रयागराज तक विशेष रेलगाड़ी चलाने की व्यवस्था की जा रही है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में हो रहा है। आयोजन, अवसंरचना और सुविधाओं में वृद्धि करना राज्य सरकार का विषय है।

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न प्रकार की पहलों के माध्यम से महाकुंभ 2025 का संवर्धन कर रहा है। मंत्रालय ने मेला क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों, मीडिया, प्रभावशाली व्यक्तियों सहित पर्यटकों आदि को सूचना उपलब्ध कराने और उन्हें आकर्षित करने के लिए अतुल्य भारत मंडप स्थापित किया है। महाकुंभ के लिए नए प्रकार के सृजनशील कार्य, विभिन्न प्रकार के भ्रमण पैकेजों के डिजिटल ब्रोशर, विमान यात्राओं के विकल्प, रहने की सुविधाओं के विकल्प आदि तैयार किए गए हैं और उनका प्रचार किया गया है। इसके अलावा, पर्यटकों के लिए एक समर्पित महाकुंभ पर्यटक इंफोलाइन (1800111363) स्थापित की गयी है।

पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से भी महाकुंभ का संवर्धन किया जा रहा है।

पर्यटन मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) ने टेंट सिटी, प्रयागराज में 80 आरामदायक टेंट आवास स्थापित किए हैं।

संस्कृति मंत्रालय ने नॉर्थ सेंट्रल जोन सांस्कृतिक केंद्र के माध्यम से मेला क्षेत्र में एक सांस्कृतिक गांव, यथा कलाग्राम की स्थापना की है, जो अनुभूत मंडप, कलाकारों का प्रदर्शन, फूड ज़ोन, पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा का प्रदर्शन तथा बिक्री आदि को प्रदर्शित करता है।

(ग): रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा प्रयागराज पहुंचने/वापिस आने की उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए, ब्यौहारी-कटनी सेक्टर पर 16 रेल सेवाओं (05609/05610 जबलपुर-बरगवां कुंभ मेला स्पेशल सहित) का संचालन किया जा रहा है। प्रयागराज जाने के लिए यात्रा हेतु, यात्री कटनी में ट्रेन बदल सकते हैं तथा कटनी-प्रयागराज सेक्टर में चल रही 176 ट्रेनों (32 विशेष ट्रेनों सहित) का लाभ उठा सकते हैं।

*****